

**कसैली वि. स्त्री.** (तद्.) 1. कषाय स्वाद वाली 2. सुपारी या फिटकिरी के समान स्वाद वाली।

**कसोरा पुं.** (देश.-काँसा+ओरा) काँसे का चौड़े मुँह वाला छोटा कटोरा या प्याला (उसी के समान मिट्टी का एक प्रसिद्ध छोटा बरतन)।

**कसौटी स्त्री.** (तद्.) कषपट्टी, कसवट्टी, काले रंग का एक पत्थर जिस पर रगड़कर सोने की गुणवत्ता या उत्तमता परखी जाती है, निकष 2. परखने का मानक आधार, मानदंड। मुहा. कसौटी पर कसना, तोलना- भली-भाँति परीक्षण करना।

**कस्टम पुं.** (अं.) 1. रीति-रिवाज, प्रथा 2. सीमा-शुल्क।

**कस्तूर पुं.** (तद्.) 1. नाभि में कस्तूरी वाला हिरन, कस्तूरी मृग 2. सुगंधित पदार्थ जो कस्तूरी की भाँति कई प्रकार के जीवों के अंगों से निकलते हैं।

**कस्तूरा पुं.** (तद्.) 1. कस्तूरी मृग 2. लोमड़ी की तरह का एक प्रकार का प्राणी 3. कश्मीर से असम तक पाया जाने वाला भूरे रंग का एक सुरीला पक्षी जो प्रायः झुंड में रहता है 4. मोती वाली सीपी 5. पोर्ट ब्लेयर की चट्टानों से खुरच कर निकाली जाने वाली बलकारक सुगंधित औषधि 6. जहाज में जड़े हुए तख्तों का जोड़ या संधि 7. मुश्क, सुगंध, कस्तूरी।

**कस्तूरिका पुं.** (तद्.) कस्तूरी मृग, मुश्की हिरन, पीले, काले रंग के गले वाला मृग जो डरपोक और निर्जन स्थानों को पसंद करने वाला होता है।

**कस्तूरिका स्त्री.** (तद्.) कस्तूरी, मुश्क।

**कस्तूरिया पुं.** (तद्.) कस्तूरी मृग **वि.** (तद्.) 1. वह हिरन जिसकी नाभि में कस्तूरी हो 2. वह जिसमें कस्तूरी हो 3. कस्तूरी के समान रंग वाला, मुश्की 4. कस्तूरी संबंधी 5. कस्तूरी मिश्रित।

**कस्तूरी स्त्री.** (तद्.) एक सुगंधित पदार्थ जो एक विशिष्ट प्रकार के हिरन की नाभि से निकलता है, मुश्क, यह हिरन नर होता है तथा पदार्थ नाभि के पास थैली में पाया जाता है।

**कस्तूरी मृग पुं.** (तद्.) 1. कस्तूर 2. कस्तूरी वाला मृग 3. मुश्की हिरन 4. हिरन की जाति का एक प्रकार का छोटा बिना सींगों वाला जंतु जिसके शरीर पर मटमैले रंग की चित्तियाँ होती हैं।

**कस्द पुं.** (अर.) 1. विचार, इरादा 2. संकल्प, दृढ़-निश्चय।

**कस्दन क्रि.वि.** (अर.) निश्चयपूर्वक, जान-बूझकर, इरादतन।

**कस्बा पुं.** (अर.) 1. वह बस्ती जो गाँव से बड़ी और नगर (शहर) से छोटी हो 2. कृषि से (प्रायः) भिन्न कार्यों में संलग्न लोगों की बस्ती।

**कस्बाई वि.** (अर.) 1. कस्बे या कस्बों से संबंधित 2. कस्बे या कस्बों का।

**कस्मल पुं.** (तद्.) दे. कश्मल।

**कस्मिया क्रि.वि.** (अर.) कसम से, शपथपूर्वक।

**कस्या पुं.** (देश.) कसी, छोटा फावड़ा, फावड़ा।

**कस्साब पुं.** (अर.) 1. मांस बिकने की जगह (स्थान) 2. पशु-वध का स्थान, कसाई खाना।

**कस्सी स्त्री.** (देश.) 1. दो कदम अथवा 49-1/4 इंच के बराबर जमीन मापने की रस्सी 2. जमीन का उक्त माप 2. जमीन खोदने का छोटा फावड़ा।

**कहँ पुं.** (तद्.) 1. 'वास्ते', 'के लिए' 2. क्रि.वि. कहाँ।

**कहकशाँ स्त्री.** (फा.) आकाश गंगा।

**कहकहा पुं.** (फा.) ठहाका मारना या लगाना, अट्टहास, (ठहाका मारकर हँसना)।

**कहकहाट स्त्री.** (फा.) कहकहा मुहा. कहकहा/कहकहे मारना, लगाना 1. हँसी उड़ाना 2. अट्टहास करना 3. उपहास करना।

**कहगिल स्त्री.** (फा.) घास फूस मिला हुआ चिकनी मिट्टी का गारा **वि.** इस प्रकार का गारा (कहगिल) कच्ची दीवारों को लीपने (कच्चे फर्श को भी) अथवा कच्ची ईंट जोड़कर दीवारें चिनने के काम आता है।

**कहत पुं.** (अर.) 1. बहुत कमी, अभाव 2. दुर्भिक्ष, अकाल।